मन्त्र-जाल से चाची सास को चोदा-1

“हैलो दोस्तो, जब मैं 21 साल का हुआ.. तब मेरी शादी मुंबई हुई.. मेरी पत्नी का नाम रेशमा है.. शादी के एक साल के बाद बेटा हुआ.. उसका नाम रवि है, अब मेरी फैमिली में माँ.. मैं मेरी पत्नी और मेरा बेटा है। मेरी ससुराल में सास-ससुर और उनका एक बेटा और एक बेटी यानि […] …”

Story By: (raj-hot)
Posted: Sunday, April 5th, 2015
Categories: चाची की चुदाई
Online version: मन्त्र-जाल से चाची सास को चोदा-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मन्त्र-जाल से चाची सास को चोदा-1

हैलो दोस्तो, जब मैं 21 साल का हुआ.. तब मेरी शादी मुंबई हुई.. मेरी पत्नी का नाम रेशमा है.. शादी के एक साल के बाद बेटा हुआ.. उसका नाम रवि है, अब मेरी फैमिली में माँ.. मैं मेरी पत्नी और मेरा बेटा है।

मेरी ससुराल में सास-ससुर और उनका एक बेटा और एक बेटी यानि कि मेरा एक साला और साली है। मेरे ससुर के छोटे भाई का नाम राजेश है.. जो रिश्ते में मेरे चाचा ससुर हुए.. उनकी फैमिली में मेरी चाची सास.. उनकी बेटी और एक बेटा है।

मेरे ससुर और चाचा ससुर अलग-अलग रहते हैं। दोनों के घर आने-जाने में करीब 4 घंटा लगते हैं। मेरी चाची सास का नाम प्रिया है.. उनकी उम्र 36 साल की है और वे देखने में भी बहुत खूबसूरत लगती हैं। उनकी खूबसूरती को आप यूँ समझ लो कि हिन्दी फिल्मों की एक्ट्रेस मुनमुन सेन जैसी.. और उनकी बेटी यानि कि मेरी साली का नाम ज्योति है।

मैं यहाँ दिल्ली में एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता हूँ। मेरी अच्छी-ख़ासी तनख्वाह है और साथ में थोड़ा सा जादू-टोना भी जानता हूँ। वैसे जादू-टोना मेरा पेशा नहीं है.. लेकिन कभी-कभी किसी परेशान हुए लोगों की मदद कर देता हूँ।

शादी के दो साल के बाद एक दिन जब शाम को मैं घर आया तो मेरी पत्नी ने बताया कि मुंबई से शादी का निमंत्रण आया है.. अगले हफ्ते शादी है और हम सबको जाना है।

मैंने कहा- ठीक है.. हम सब चलेंगे।

शादी एक हफ्ते बाद थी.. तो मैंने टिकटों का रिज़र्वेशन करा लिया.. ताकि कोई परेशानी ना हो। जब हम शादी में पहुँचे.. तो मेरी ससुराल वाले बहुत खुश हुए.. क्योंकि 2 साल बाद

हम मुंबई गए थे। वहाँ मेरे ससुर और चाचा ससुर.. दोनों की फैमिली मौजूद थी। सब बहुत खुश हुए।

मैं और मेरी पत्नी सब बड़ों के पैर छू रहे थे और जो मुझसे छोटे थे.. वो मेरे पैर छू रहे थे।

जब मैं अपनी चाची सास के पैर छूने गया.. तो उन्होंने हँसते-हँसते मेरे सर पर हाथ रखा और हाथ को मेरे सर पर थोड़ा सा दबाया.. लेकिन मैंने ज़्यादा ध्यान नहीं दिया.. फिर मैंने अपने चाचा ससुर के पैर छुए तब उन्होंने आशीर्वाद दिया और कहा- परसों का खाना आपको हमारे घर ही खाना है।

मैंने कहा- ठीक है.. हम सब जरूर आएंगे।

शादी के एक दिन बाद ही हम चाचा ससुर के घर खाना खाने को जा रहे थे। तब मेरी सास ने कहा- अपने बेटे को यहाँ रहने दीजिए.. दो घंटे जाने में लगेंगे.. तो ये परेशान हो जाएगा।

मैंने कहा- ठीक है।

फिर मैं और मेरी पत्नी चाचा ससुर के घर खाना खाने चले गए। जब वहाँ पहुँचे तो घर में सिर्फ़ मेरी चाची सास प्रिया और मेरी साली ज्योति ही थे।

मेरी पत्नी ने पूछा- मेरे चाचा और भाई कहाँ हैं ?

तब उन्होंने कहा- आज सुबह ही वो अहमदाबाद शादी में चले गए हैं।

मैंने चाची सास से कहा- आप नहीं गईं ?

तब उन्होंने कहा- आप आने वाले थे न.. इसलिए हम नहीं गए.. दो साल के बाद तो आप यहाँ आए हैं.. तो हमारा भी फ़र्ज़ बनता है ना.. कि दामाद का पूरी तरह ध्यान रखा जाए।

तब मेरी पत्नी ने कहा- कोई बात नहीं चाची.. राज की पोस्टिंग जब मुंबई में होगी.. तब आप जी भर के ध्यान रखिएगा..

हम सब हँस पड़े और फिर हम खाना खा कर ससुर के घर आ गए। कुछ दिन ससुराल में रुके.. फिर वापिस दिल्ली आ गए।

इस बात को कब 9 साल गुजर गए.. पता ही नहीं चला और इन 9 सालों में काफ़ी कुछ बदल गया था। मेरे ससुर और चाचा ससुर के बेटे और बेटी ज्योति की शादी हो चुकी थी और अपने-अपने फैमिली में सब खुश थे। लेकिन ज्योति की उनकी सास के साथ नहीं बनी तो वो मेरे चाचा ससुर के घर वापिस आ गई थी।

यहाँ आई तो उसकी भाभी यानि मेरे चाचा ससुर के बेटे की बीवी के बीच अनबन हुई.. जिसकी वजह से मेरा साला अपनी बीवी को लेकर अलग रहने चला गया। चाचा ससुर के यहाँ सिर्फ़ 3 लोग रह गए.. मेरे चाचा ससुर.. सास और ज्योति..

ज्योति बिल्कुल अपनी माँ पर गई थी। वो भी मुनमुन सेन की लड़की रिया सेन जैसी लगती थी। सब लोग अच्छी तरह से रहते थे और खुश थे।

एक दिन अचानक फोन आया कि मेरे चाचा ससुर की हार्ट-अटैक से मौत हो गई है.. तो हम सब फिर वहाँ उनके घर मुंबई गए। वहाँ चाची सास मुझे और मेरी पत्नी से लिपट कर बहुत रोईं।

फिर इस घटना को दो साल बीत चुके थे.. सब अपनी-अपनी जिन्दगी में खुश थे.. लेकिन एक दिन मुझे मेरे ऑफिस से मुझे प्रमोशन मिला और घर आकर मैंने अपनी पत्नी से कहा- मेरा प्रमोशन मुंबई में हुआ है।

तब वो बहुत खुश हुई और उसने मुझसे कहा- कब जाना है ?

मैंने कहा- 15 दिन बाद..

तब वो बोलीं- रवि का तो स्कूल है.. तो कैसे सैट करेंगे ?

मैंने कहा- उसका एक साल बिगड़ जाएगा और क्या ?

तब वो बोलीं- मैं उसका एक साल बिगड़े.. ऐसा हरगिज़ नहीं चाहती हूँ.. आप अकेले मुंबई जाइए और कुछ ही महीनों की तो बात है.. आप मेरे पिताजी के घर रहिएगा।

मैंने कहा- जैसा तुम्हें ठीक लगे।

फिर 15 दिनों के बाद मैं मुंबई चला आया और जॉब ज्वाइन कर ली।

लेकिन मेरा ऑफिस उस एरिया में था जिधर मेरे चाचा ससुर रहते थे.. जिसकी वजह से मुझे अपनी ससुराल से ऑफिस आने-जाने में बहुत दिक्कत होती थी। यह बात मेरी पत्नी ने फोन पर बातों-बातों में मेरी चाची सास को कह दी।

तब वो रविवार को मेरे ससुर के घर आईं और मेरे सास-ससुर से कहने लगीं- आपके भाई के जाने के बाद आप लोगों ने मुझे पराया सा कर दिया है।

तब मेरी सास ने कहा- प्रिया.. तुम क्यों ऐसा बोल रही हो ?

वो बोलीं- राज क्या मेरे दामाद नहीं हैं ?

तब मेरी सास ने कहा- हैं ना..

वो बोलीं- राज इतनी तकलीफ़ भुगत कर रोज अप-डाउन करते हैं.. तो क्या आपको नहीं कहना चाहिए कि वो हमारे साथ रहें.. वो भी तो उनकी ससुराल ही है ना.. वो भी तो मेरे

बेटे जैसे ही हैं ना ?

तब मेरे सास-ससुर ने मुझसे कहा- राज अगर आपको ठीक लगे.. तो आप इनके साथ रह सकते हो। वो भी आपकी ही ससुराल है।

फिर जब सबने बहुत ज़ोर दिया.. तब मैं उनके साथ रहने के लिए चला गया। अब वहाँ मेरी चाची सास प्रिया.. उनकी बेटी ज्योति और मैं एक साथ रहने लगे।

मेरा ऑफिस वक्त सुबह 11 से शाम के 5 बजे तक का था। वहाँ रहते-रहते मुझे 2 महीना हो गए थे। मेरे मन में कभी चाची सास के लिए बुरे ख्याल नहीं आए थे.. लेकिन एक बार अचानक मैं उनके कमरे में गया तो वो सिर्फ़ ब्लाउज और पेटीकोट में थीं और साड़ी पहन रही थीं।

लेकिन जब मैंने उन्हें देखा तो देखता ही रह गया.. क्योंकि 45 साल की उम्र में भी वो बहुत सेक्सी लग रही थीं.. और उनको ऐसे देख कर सच कहूँ तो मैं उनका दीवाना हो गया।

अब मैं खाली वक्त में यही सोचता रहता था कि चाची सास को कैसे अपना बनाया जाए.. क्योंकि हमारा रिश्ता सास-दामाद का था.. इसलिए मैं थोड़ा डरता था कि कहीं वो किसी को कुछ कह ना दें।

एक दिन जब मैं ऑफिस से लौटा तो मेरी साली ज्योति ने मुझसे कहा- जीजाजी घर में हर वक्त बैठे-बैठे मैं बोर हो जाती हूँ.. अगर आपके ध्यान में कोई अच्छी सी जॉब हो.. तो आप मुझे बताना।

मैं भी यही चाहता था कि अगर ज्योति जॉब पर जाएगी.. तो मुझे और सास को अकेले रहने का ज्यादा से ज्यादा वक्त और मौका मिलेगा। फिर हो सकता है कि मैं अपने मकसद में कामयाब हो जाऊँ इसलिए मैं ज्योति के लिए ज़ोर-शोर से जॉब ढूँढने लगा।

आख़िरकार मैंने उसके लिए जॉब ढूँढ ही ली और एक दिन जब ऑफिस से आया तो मैंने कहा- ज्योति आपके लिए गुड न्यूज़ है.. आपके लिए जॉब मिल गई है। लेकिन..

…और मैं चुप हो गया।

तब सास ने कहा- आप रुक क्यों गए.. ? क्या बात है.. ? जॉब अच्छी नहीं है ?

एक साथ इतने सवालों से ज्योति भी बोल पड़ी- क्या माँ आप भी.. जीजाजी पर एक साथ इतने सवालों की बौछार कर बैठीं।

तब मैं थोड़ा संयत होकर बोला- ऐसी कोई बात नहीं है.. दरअसल जॉब पर्सनल सेक्रेटरी की है.. सेलरी भी काफ़ी अच्छी है.. लेकिन उन्हें अक्सर बॉस के साथ बाहर जाना पड़ेगा और बॉस भी काफ़ी अच्छे हैं।

तब ज्योति ने मुझसे कहा- क्या आप भी जीजाजी.. इतनी छोटी सी बात के लिए इतना चिंतित हो रहे हो.. आप जॉब पक्की कर लो और अब मुझे माँ की भी कोई फ़िक्र नहीं है.. मेरी गैरमौजूदगी में आप तो माँ का ख्याल रख ही लोगे ना..

ये सुनते ही मेरे मन में लड्डू फूटने लगे।

तब सास ने कहा- जॉब का वक्त क्या होगा ?

तब मैंने कहा- जब वो यहाँ मुंबई में होगी.. तब जॉब का वक्त सुबह 9 से शाम के 7 बजे तक का रहेगा..

और फिर सास के सामने देख कर बोला- ठीक है न ?

सास ने अपनी मूक सहमति दे दी थी।

दूसरे दिन सुबह मैं और ज्योति ऑफिस चले गए और उसके लिए जहाँ जॉब फिक्स की थी.. उस ऑफिस में जाकर ज्योति से बात करा के.. मैं अपने ऑफिस चला गया।

मैं मन ही मन खुश हो रहा था कि अब मैं और सासू अकेले वक़्त बिता पायेंगे। ज्योति को जॉब ज्वाइन किए एक हफ्ता हो गया था और वो और सास बहुत खुश थे।

एक दिन सास ने मुझसे कहा- आप हमारा कितना ख्याल रखते हैं कि ज्योति को अच्छी सी जॉब दिला दी।

मैंने कहा- ये तो मेरा फ़र्ज़ है और आप भी मेरा कितना ख्याल रखती हैं।

एक दिन मैं अचानक ऑफिस से 2 बजे आ गया.. मैंने घर पर आके देखा तो सास ने ज्योति की नाईटी पहनी हुई थी और वो बहुत अच्छी और सेक्सी लग रही थीं।

आज कहानी को इधर ही विराम दे रहा हूँ। आपकी मदभरी टिप्पणियों के लिए उत्सुक हूँ। मेरी ईमेल पर आपके विचारों का स्वागत है।

Other stories you may be interested in

सात दिन की गर्लफ्रेंड की चुदाई

नमस्कार दोस्तो … मेरा नाम प्रकाश है. मैं 30 साल का हूँ. मैं मुंबई के पास कल्याण जिले में रहता हूँ. अभी फिलहाल एक प्राइवेट कंपनी में जॉब कर रहा हूँ. मैं आज तक बहुत सी लड़कियों के साथ सेक्स […]
Full Story >>>

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर […]
Full Story >>>

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. […]
Full Story >>>

भाई बहनों की चुदक्कड़ टोली-1

दोस्तो, मेरा नाम हिरेन है. आज मैं अपनी चुदक्कड़ बहनों के बारे में आपको बताना चाहता हूं। मैं गुजरात से हूं और एक सरकारी स्कूल में जॉब करता हूं। मेरे परिवार में तीन बहनें हैं और मैं अकेला भाई। मेरी […]
Full Story >>>

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-13

अब तक इस सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि नम्रता और मैं, हम दोनों अपने अपने पार्टनर के साथ रात को चुदाई कर चुके थे. नम्रता मुझे अपने पति के संग हुई चुदाई के बारे में सुनाने में लगी थी. […]
Full Story >>>